मैं एक छोटा बच्चा

मैं एक छोटा बच्चा ,

मन का सच्चा ,

मेरी फैमली , मेरा घर ,

प्यार सभी करते है मुझसे जब तक पास है एक नंबर ।

एक नंबर जो % बताता है ,

डिग्री पे लिखा जो आता है ,

मम्मी, पापा या हो टीचर साला सबको चाहिए बस वो नंबर ।

जो नंबर गर मै ना लाऊ ,

और फेल अगर मे हो जाऊ ,

वैश्विक संकट छा जाता है ,

भविष्य अंधकारमय हो जाता है ,

अछूत मैं हो जाता हूँ ।

किसी काम का ना रह जाता हूँ ।

यहां प्यार है बस एक नंबर से ,

जुगाड़ है बस एक नंबर से ,

जिसके पास नहीं है नंबर ,

वो साला कैसा इंजीनियर ।

जीने का ढंग तु मुझे सिखाए ,

हर बात मे साले टांग अड़ाए ,

मेरे कपड़े , मेरे बाल , मेरी आदत , मेरी चाल ,

गर तु ही तय करता है तो ,

तय करता क्यों नही एक नंबर ।

लड़की देखूं तो है आवारा ,

Freedom ने है इसे बिगाड़ा ,

ना देखूं तो gay है साला ,

छोड़ के सबकुछ जपूं क्या माला ।

साला बेर्दद ज़माना है ,

मतलब की यारों दुनीया है ,

हो जाती गर जो गलती है ,

जख्मों पे नमक ये मलती है ।

आंखे हैं पर अंधे हैं लोग ,

साफ़ है पर गंदे हैं लोग ,

सबका अलग मुखौटा है ,

कोई पतला कोई मोटा है ,

कोई खाता भर—भर थाली है ,

कहीं एक शाम का टोटा है ।

दिल में ये दर्द क्यों होता है ,

क्यों हर पल मेरा कुछ खोता है ,

लेन-देन की दुनिया मे तो ,

भगवान भी प्रसाद चढ़ाने पर खुश होता है ।

ये समाज है , ये रिवाज है , रिश्ते , नाते , बंधन, रस्में , मै तोड़ता हूँ , मुह मोड़ता हूँ ,

कर ले चाहे जो करना हो , तेरी दुनीया मै छोड़ता हूँ ।